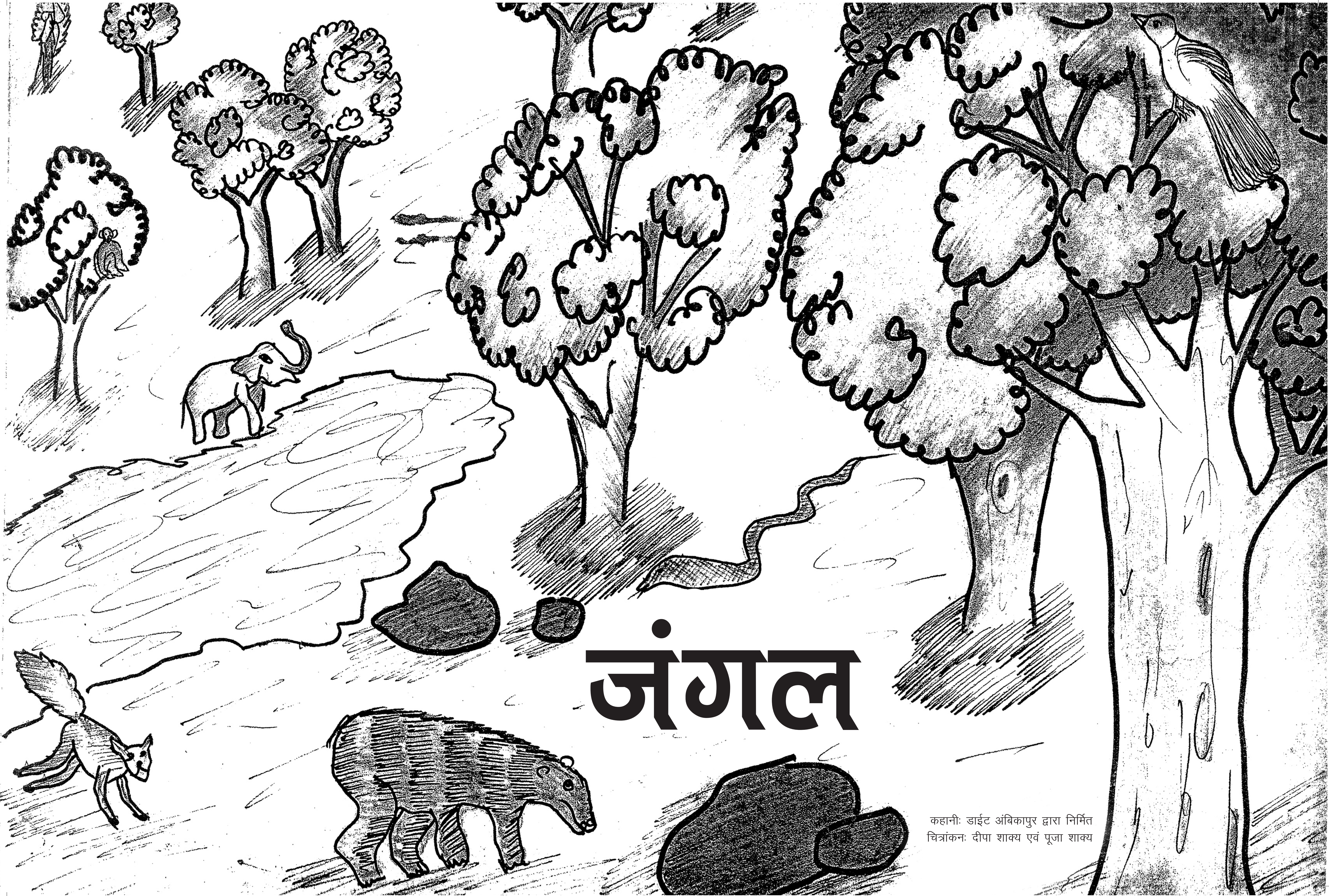

जंगल

कहानीः डाईट अंबिकापुर द्वारा निर्मित
चित्रांकनः दीपा शाक्य एवं पूजा शाक्य

Copyright © Language and Learning Foundation 2019
All rights reserved.

एक ठन गूढेरा ह रूख क खोंधरा बनाय रिहिस।

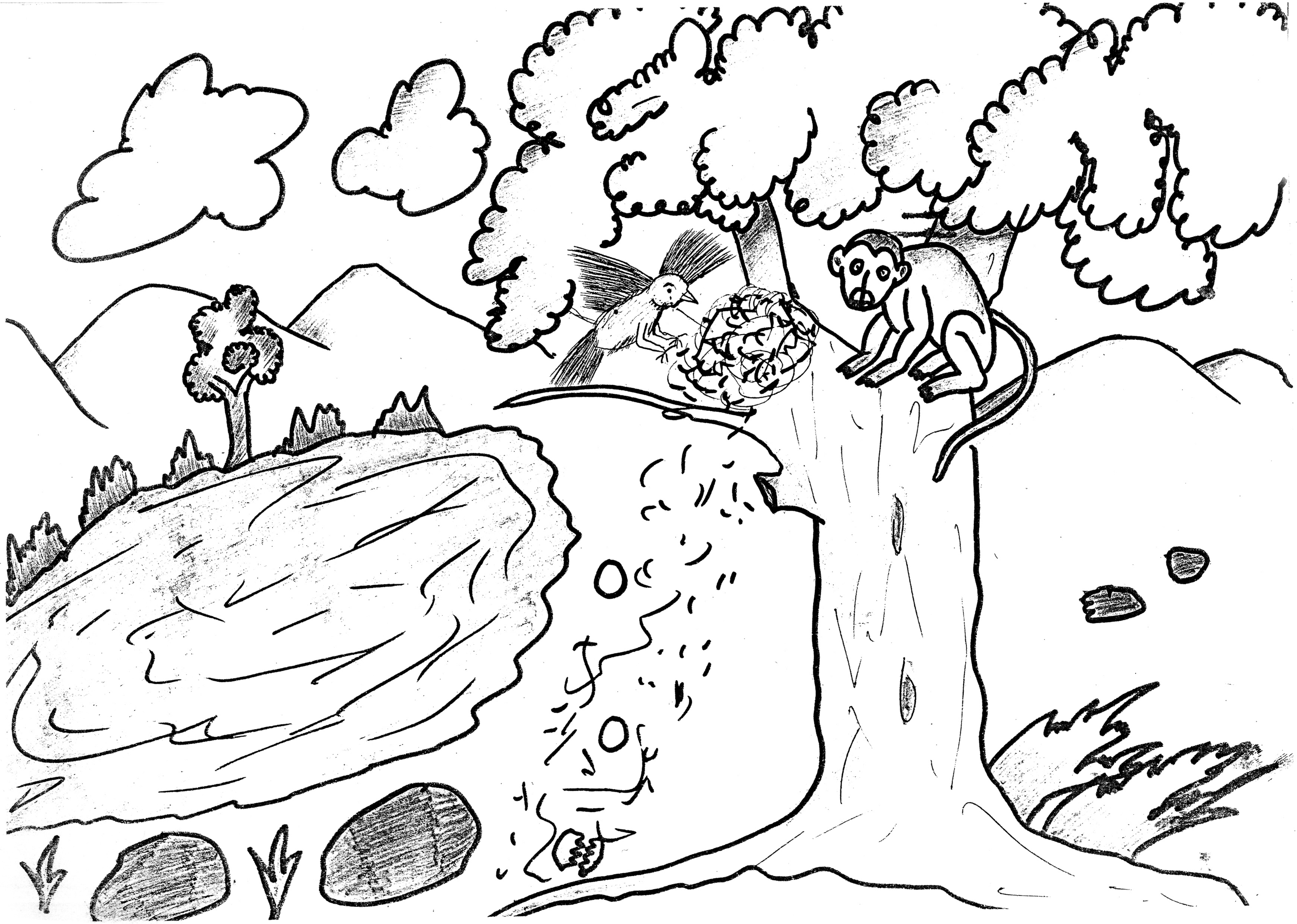

बेंदरा ह ओकर खोंधरा ल उजार दिस।

गूढ़ेरा रिसा के, जंगल के राजा भालू मेर गइस।

अउ किहिस, बेंदरा ह मोर खोंधरा ल उजार दिस हे।

भालू बेंदरा ले पूछथे, खोंधरा ल काबर उजारे?
एखर तोला सजा मिलही।

बेंदरा किहिस, मालिक मोर ले गलती होगे,
अपन आगू-पाछू ल देख के सजा देवव।

भालू ह पाछू म कटहर देखिस,
ओखर मन ह ललचागे।

भालू हा गूढेरा ल पुछिस के जेन रुख म बेंदरा चढ़थे तेन म खोंधरा काबर बनायस?

अउ बेंदरा ल छोड़ दिस।

एला देखके, गूढेरा अब्बड़ रीसा गिस। इही बात ल सबो चिरई मनला घलो बताइस।

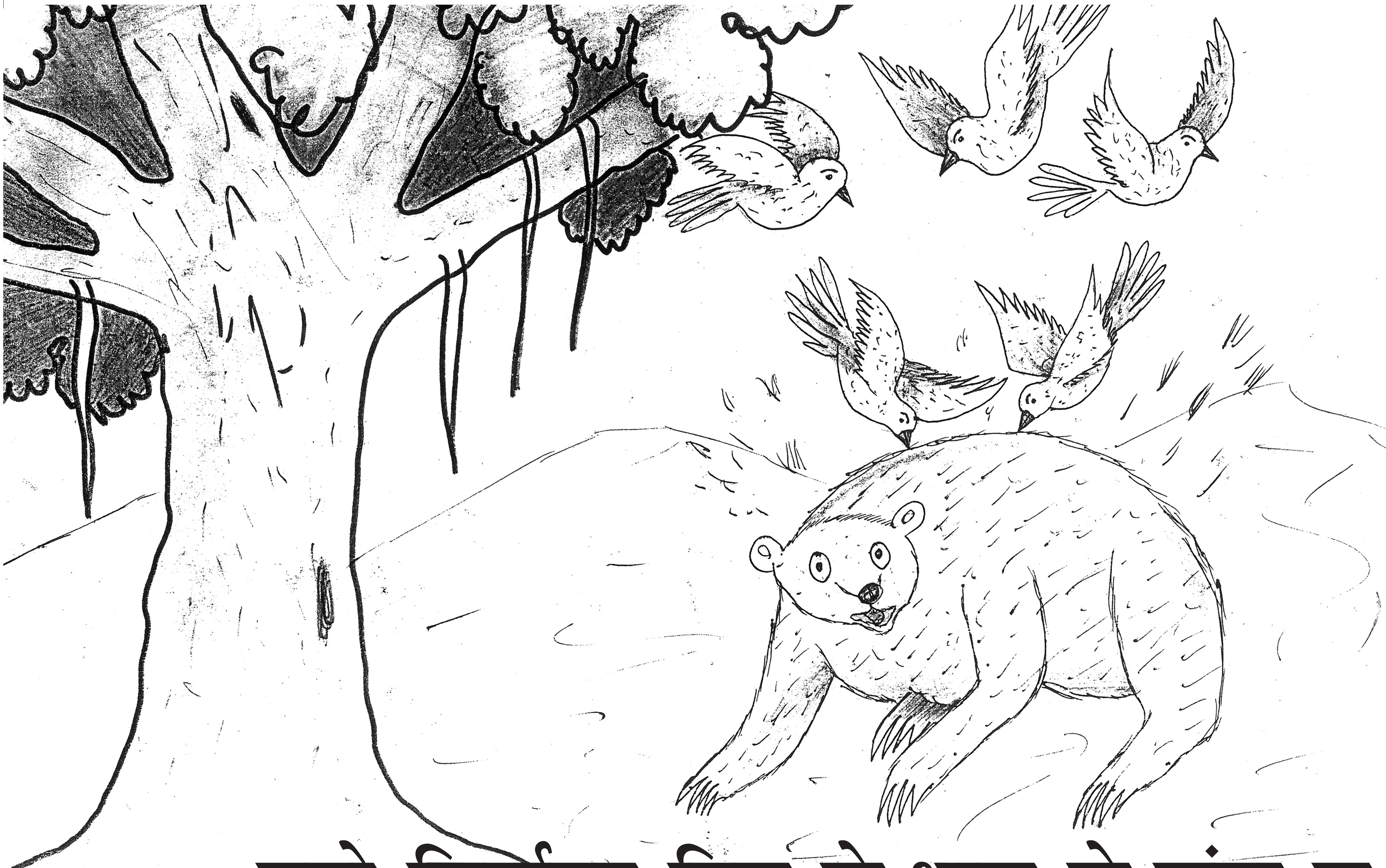

सबो चिरईमन मिल के भालू के रूंवा ल हटक डरिन।

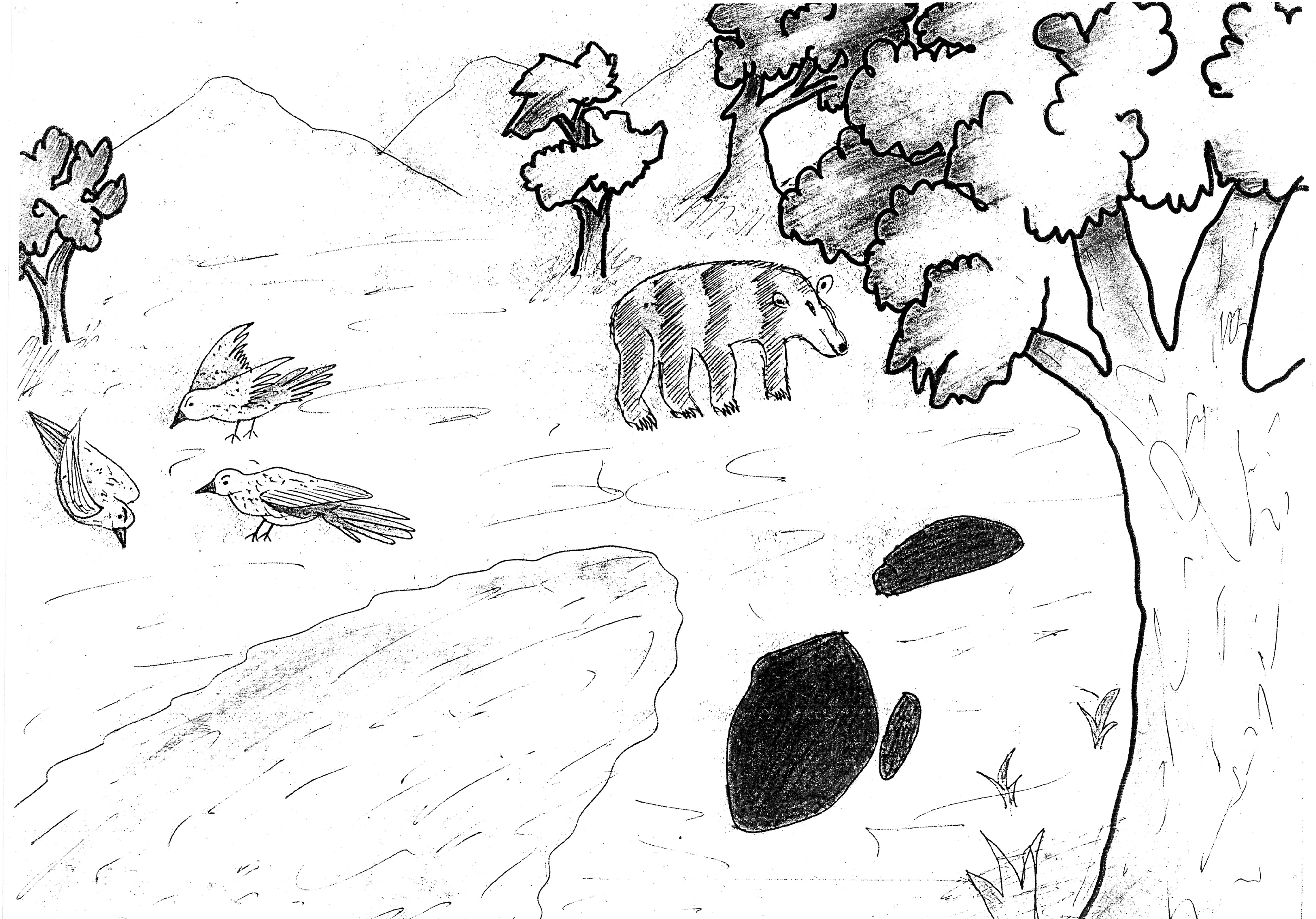

भालू जंगल ले भागगे।

जंगल

एक ठन गूढेरा ह रूख क खोंधरा बनाय रिहिस। बेंदरा ह ओकर खोंधरा ल उजार दिस। गूढ़ेरा रिसा के, जंगल के राजा भालू मेर गइस। अउ किहिस, बेंदरा ह मोर खोंध रा ल उजार दिस हे। भालू बेंदरा ले पूछथे, खोंधरा ल काबर उजारे? एखर तोला सजा मिलही। बेंदरा किहिस, मालिक मोर ले गलती होगे, अपन आगू-पाछू ल देख के सजा देवव। भालू ह पाछू म कटहर देखिस, ओखर मन ह ललचागे। भालू हा गूढेरा ल पुछिस के जेन रुख म बेंदरा चढ़थे तेन म खोंधरा काबर बनायस? अउ बेंदरा ल छोड़ दिस। एला देख के, गूढेरा अब्बड़ रीसा गिस। इही बात ल सबो चिरई मनला घलो बताइस। सबो चिरईमन मिल के भालू के रूंवा ल हटक डरिन। भालू जंगल ले भागगे।

जंगल

एक गौरेया ने पेड़ पर घोंसले में अंडे दिए। बन्दर ने उसका घोंसला उजाड़ दिया। गौरेया नाराज़ होकर जंगल के राजा भालू के पास गई। वह बोली, बन्दर ने मेरा घोंसला उजाड़ दिया है। भालू ने बन्दर से पूछा, घोंसला क्यों तोड़ा? तुम्हें सज़ा मिलेगी। बन्दर बोला, मालिक मुझसे गलती हो गई, आप आगे-पीछे देख कर सज़ा दें। भालू ने पीछे कटहल देखा। उसके मन में लालच आ गया। भालू ने गौरेया से कहा, जिस पेड़ पर बन्दर चढ़ता है उस पर तुमने घोंसला क्यों बनाया। उसने बन्दर को छोड़ दिया। यह देखकर गौरेया नाराज़ हुई। उसने बाकी चिड़ियों को भी बताया। सभी चिड़ियों ने मिलकर भालू के बाल नोंच लिए। भालू जंगल से भाग गया।

LLF Language and Learning foundation

शिक्षा का अधिकार
सब पढ़ें सब बढ़ें

Designed by www.stelladesignandprint.com